(राग: यमन जिल्हा - ताल: त्रिताल)

पद ४४ (हिंदी)

विराजे। चौकी हनुमत लाला की।।१।। मोर-मुकुट मस्तक पर

सोहे। बहुत लगी लड़ माला की।।?।। मानिक के मन सुमिरत

बाला। फांस कटे भवजाला की।।३।।

- देखो देखो री सखी छब बाला की।।ध्रु.।। शेषाचल पर आप